मुद्रित पृष्ठों की संख्या.....12

अनुक्रमांक.....

नाम.....

901 **801**(SV)

2024

कक्षा–10 हिन्दी

(केवल प्रश्न–पत्र)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक– 70**

निर्देश–

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न–पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) प्रश्नपत्र दो खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।

(iii) प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय पश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O. M. R. शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।

(iv) खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए (01) अंक निर्धारित है।

(v) O. M. R. शीट पर उत्तर अंकित किये जाने के पश्चात उसे काटे नहीं तथा इरेजर (Eraser) एवं व्हाइटनर (Whiterner) आदि का प्रयोग न करें।

(vi) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

खण्ड–अ – बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न–1 'रसमीमांसा' किसकी रचना है? 1

A. अमृतराय

B. रामचन्द्र शुक्ल

C. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'

D. प्रेमचन्द्र

प्रश्न–2 'अथाह सागर' के रचनाकार है– 1

A. डॉ0 धर्मवीर भारतीय

B. जयप्रकाश भारती

C. जयशंकर प्रसाद

D. यशपाल

प्रश्न–3. निम्नलिखित कथनों में से कौन–सा कथन सही है? 1

A. 'गुनाहों के देवता' के रचनाकार मुंशी प्रेमचन्द हैं।

B. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र आलोचना साहित्य के जनक माने जाते हैं।

C. 'गेहूँ और गुलाब' निबन्ध के लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी हैं।

D. 'ईर्ष्या तू न गयी मेरे मन से' निबन्ध के लेखक जयप्रकाश भारती हैं।

प्रश्न–4 निम्न में से सत्य कथन पहचानिए– 1

A. डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद एक कवि के रूप में प्रसिद्ध हैं।

B. जयप्रकाश भारती शुक्ल युग के कवि हैं।

C. मुंशी प्रेमचन्द्र एक समालोचक के रूप में प्रसिद्ध हैं।

D. ध्रुवस्वामिनी जयशंकर प्रसाद की रचना है।

प्रश्न–5 'दीपदान' एकांकी के लेखक हैं? 1

A. रामकुमार वर्मा

B. जैनेन्द्र

C. विनोद रस्तोगी

D. जयशंकर प्रसाद

प्रश्न–6 'शुक्ल युग' की समयावधि है–

A. 1900 ई0 से 1918 तक

B. 1919 ई0 से 1938 तक

C. 1936 ई0 से 1943 तक

D. 1850 ई0 से 1900 तक

प्रश्न–7 'तार सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है– 1

A. सन् 1919 ई०

B. सन् 1943 ई०

C. सन् 1953 ई०

D. सन् 1942 ई०

प्रश्न–8 आदिकाल की समय सीमा क्या है–

A. 1050 ई. से 1375

B. 1350 ई. से 1700

C. 1700 ई. से 1900

D. 1900 ई. से अब तक

प्रश्न–9 हिन्दी साहित्य का स्वर्णकाल कहा जाता है– 1

A. आदिकाल

B. भक्तिकाल

C. रीतिकाल

D. आधुनिक काल

प्रश्न–10 'साकेत' किसकी रचना हैं– 1

A. सुमित्रानन्दन 'पन्त'

B. मैथिलीशरण गुप्त

C. महादेवी वर्मा

D. जयशंकर प्रसाद

प्रश्न–11 करूण रस का स्थायी भाव है– 1

A. हास

B. शोक

C. क्रोध

D. भय

प्रश्न–12 'चरन कमल बंदौ हरि राई' में कौन सा अलंकार है? 1

A. उपमा

B. रूपक

C. उत्प्रेक्षा

D. श्लेष

प्रश्न–13 निम्न में से सममात्रिक छन्द कौन सा है? 1

A. दोहा

B. सोरठा

C. रोला

D. छप्पय

प्रश्न–14 अपमान शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है – 1

A. अप

B. मान

C. अ

D. आन

प्रश्न–15 'पंचवटी' में कौन–सा समास है? 1

A. कर्मधारय

B. द्वन्द्व,

C. द्विगु

D. तत्पुरुष

प्रश्न–16 निम्न में से **'कान'** का तत्सम शब्द होगा– 1

A. कर्ण

B. श्रवण

C. कुण्डल

D. श्रौन

प्रश्न–17 'युवाभ्याम्' रूप 'युष्मद्' शब्द की किस विभक्ति और किस वचन का है? 1

A. पंचमी विभक्ति, एकवचन

B. पंचमी विभक्ति, द्विवचन

C. तृतीया विभक्ति, एकवचन

D. प्रथमा विभक्ति, एकवचन

प्रश्न–18 अर्थ के आधार पर वाक्य के कितने प्रकार हैं? 1

A. पाँच

B. आठ

C. तीन

D. दो

प्रश्न–19 जिस वाक्य में क्रिया का सम्बंध कर्ता से होता है वह कहलाता है– 1

A. कर्त्तृवाच्य

B. कर्मवाच्य

C. भाववाच्य

D. वाच्य

प्रश्न–20 निम्न में से अविकारी शब्द है? – 1

A. सीता

B. दिल्ली

C. तुम

D. इसलिए

वर्णनात्मक प्रश्न (खण्ड–ब)

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए– 3×2=06

मैं नहीं जानती कि वह शहंशाह था या साधारण मुगल, पर एक दिन इसी झोपड़ी के नीचे वह रहा। मैंने सुना था कि वह मेरा घर बनवाने की आज्ञा दे चुका था। मैं आजीवन

अपनी झोपड़ी खोदवाने के डर से भयभीत रही। भगवान ने सुन लिया, मैं आज इसे छोड़े जाती हूँ। अब तुम इसका मकान बनाओं या महल, मैं अपने चिर–विश्राम–गृह जाती हूँ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) आजीवन भयभीत रहने का कारण लिखिए।

अथवा

हम लोग कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान रहते हैं जिसे जो जिस रूप का चाहे उस रूप का करे–चाहे राक्षस बनावे चाहे देवता। ऐसे लोगों का साथ हमारे लिए बुरा है जो हमसे अधिक दृढ़ संकल्प के हैं; क्योंकि हमें उनकी हर एक बात बिना विरोध के मान लेनी पड़ती है। पर ऐसे लोगों का साथ करना और बुरा है, जो हमारी ही बात को ऊपर रखे हैं; क्योंकि ऐसी दशा में न तो हमारे ऊपर कोई दबाव रहता है, और न हमारे लिए कोई सहारा रहता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) हमें किन लोगों का साथ नहीं करना चाहिए?

अथवा

प्रश्न–2 दिए गए पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए– 3×2=06

(क) चरन कमल बंदौ हरि राई ।

जाकी कृपा पंगु गिरि लधै, अन्धे को सब कुछ दरसाइ ।

बहिरौ सुनै, गूँगि पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराई ।

सूरदास स्वामी करुनामय, वार–बार वंद तिहिं पाई ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) किसकी कृपा से लंगड़ा पर्वत लांघने और अंधा लगता है? सब कुछ देखने लगता है?

अथवा

ऊधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं।

वृन्दावन गोकुल बन उपवन, सघन कुंज की छाँही

प्रात समय माता जसुमति अरू नंद देखि सुख पावत

माखन रोटी दह्यो सजायौ, अति हित साथ खवावत।।

गोपी ग्वाल बाल सँग खेलत, सब दिन हँसत सिरात

सूरदास धनि–धनि ब्रजवासी, जिनसौ हित जदु–तात।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) किसे ब्रज भुलाए नहीं भूलता?

प्रश्न–3 दिए गए संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

2+3=05

काले–काले विविधाः विचाराः भारतीय संस्कृतौ समाहिताः। एषा संस्कृतिः सामासिकी संस्कृतिः यस्याः विकासे विविधानां जातीनां, सम्प्रदायानां, विश्वासानाञ्च योगदानं दृश्यते। अतएव अस्माकं भारतीयानाम् एका संस्कृति एकाच राष्ट्रियता। सर्वेऽपि वयं एकस्याः संस्कृतेः समुपासकाः एकस्य राष्ट्रस्य च राष्ट्रियाः। यथा भ्रातरः परस्परं मिलित्वा सहयोगेन सौहार्देन च परिवारस्य उन्नति कुर्वन्ति, तथैव अस्माभिः अपि सहयोगेन सौहार्देन च राष्ट्रस्य उन्नतिः कर्त्तव्या।

अथवा

अधुनाऽपि अत्र संस्कृतवाग्धारा सततं प्रवहति, जनानां ज्ञानंच वर्द्धयति । अत्र अनेके आचार्याः मूर्धन्याः विद्वांसः वैदिकवाङ्मयस्य अध्ययने अध्यापने च इदानीं निरताः। न केवलं भारतीयाः अपितु वैदेशिकाः गीर्वाणवाण्याः अध्ययनाय अत्र आगच्छन्ति निःशुल्कं च विद्यां गृह्णणन्ति ।

प्रश्न–4 दिए गए संस्कृत पद्यांश में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+3=05

माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतर स्तथा।
मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात् ।।

अथवा

नितरां नीचोऽस्मीति त्वं खेदं कूप! कदापि मा कृथाः।।
अत्यन्तसरसहृदयो यतः परेषां गुणग्रहीतासि।।

प्रश्न–5 अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए– 3×1=03

(क) (i) 'ज्योति जवाहर' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक 'जवाहरलाल नेहरू' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ख) (i)'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के कथानक का सारांश लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग (आयोजन) का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) (i) 'मेवाड़–मुकुट' के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'मेवाड़–मुकुट' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के पंचम षष्ठ सर्ग की कथा अपने शब्दों में संक्षेप में लिखिए।

(च) (i)'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(छ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के प्रतिनायक मेघनाद का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक (चन्द्रशेखर आजाद) का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर प्रथम सर्ग (संकल्प) का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(झ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक की दानवीरता का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–6 (क) दिए गये लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय लिखते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए। 3+2=5

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद

प्रश्न–6 (ख) दिए गये कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय लिखते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए। 3+2=5

(i) सूरदास

(ii) सुमित्रानन्दन पंत

(iii) महादेवी वर्मा

प्रश्न–7 अपनी पाठ्य–पुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक स्लोक लिखिए जा इस प्रश्नपत्र में न आया हो। 2×1=02

प्रश्न–8 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए। 1+1=02

(i) दाराशिकोहः वाराणसीं आगत्य किम करोत्?

(ii) चन्द्रशेखरः कः आसीत्?

(iii) मरिष्यतः मित्रं किम् अस्ति?

(iv) पुरूराजः कः आसीत्?

प्रश्न–9 निम्नलिखित विषयों में सके किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– 7

(i) स्वदेश प्रेम

(ii) आतंकवाद की समस्या एवं समाधान

(iii) जनसंख्या नियंत्रण

(iv) विज्ञान के चमत्कार

प्रश्न–10 विद्यालय में खेल–कूद की सामग्री की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना–पत्र लिखिए। 4×1=04

अथवा

अपने मित्र को अपने बड़े भाई के विवाह में सम्मिलित होने का निमंत्रण भेजिए।

♦♦♦